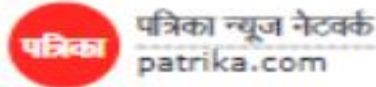




राजस्थान पत्रिका



सीरी में नवनिर्मित जलवायु अनुकूलन के तहत निर्मित भवन का उद्घाटन



पिलानी-केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान सीरी में नवनिर्मित जलवायु अनुकूल भवन का उद्घाटन शुक्रवार को हुआ। कार्यक्रम में डीएसआईआर के महानिदेशक तथा सीएसआईआर के सचिव डॉ. एन. कल्लेसेल्वी ने किया। उन्होंने संबोधित करते हुए भवन से मिलन वाली राहत से जुड़ी जानकारी दी तथा सीएसआईआर सीरी एवं सीएसआईआर केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुडकी के निदेशकों तथा परियोजना टीम के प्रयासों की सराहना की। संस्थान के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सीएसआईआर सीबीआरआई, रुडकी के निदेशक डॉ. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, सीरी निदेशक डॉ पी सी पंचारिया, सीबीआरआई के वैज्ञानिक अजय चौरसिया एवं आशीष पीपल



पिलानी सीरी में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते अधिकारी तथा वैज्ञानिक।

सहित संस्थान के वैज्ञानिक समुदाय उपस्थित रहे। सीबीआरआई, रुडकी के निदेशक डॉ. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने सीआरबी परियोजना की जानकारी देते हुए बताया कि देश को जलवायु परिस्थितियों के आधार पर पांच क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है और प्रत्येक क्षेत्र के अनुरूप सीआरबी टेक्नोलॉजी की सहायता से जलवायु अनुकूल भवन विकसित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सीरी संस्थान में क्षेत्र की गर्म एवं शुष्क जलवायु के अनुरूप यह

भवन निर्मित किया गया है। उन्होंने बताया कि लेह, चेन्नई, रुडकी आदि स्थानों पर इस प्रकार के तैयार किए गए भवनों का उल्लेख करते हुए अपनाई गई निर्माण तकनीक को कम लागत वाली, ऊर्जा दक्ष और जलवायु-संवेदनशील होने की जानकारी दी। इससे पूर्व सीरी के निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया ने स्वागत भाषण करते हुए जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच ऐसे भवन भविष्य की आवश्यकता तथा संस्थान के सतत विकास के संकल्प को

के प्रयासों की जानकारी दी। कार्यक्रम समन्वयन पीएमई प्रमुख प्रमोद तंवर ने आभार जताया।

क्या है क्लाइमेट रेजलिएंटेड बिल्डिंग टेक्नोलॉजी

क्लाइमेट रेजलिएंटेड बिल्डिंग टेक्नोलॉजी एक निर्माण तकनीक है, जिसके अंतर्गत भवनों को इस प्रकार डिजाइन और निर्मित किया जाता है कि वे स्थानीय जलवायु परिस्थितियों, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों तथा प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर सकें और साथ ही भवन उपयोगकर्ताओं को आरामदायक, सुरक्षित एवं ऊर्जा-कुशल वातावरण प्रदान करें। सरल शब्दों में यह तकनीक ऐसे भवन तैयार करने पर केंद्रित है जो गर्मी, सर्दी, आर्द्रता, तेज वर्षा, बाढ़, लू, ठंड और तापमान में अत्यधिक उतार-चढ़ाव जैसी परिस्थितियों में भी प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें।